

**बेंड़ना स.क्रि.** (तद्.) घेरा या संवेष्टन 1. बाग, खेत आदि को उनकी रक्षा करने के लिए किसी प्रकार चारों ओर से घेरना 2. पशुओं को घेर कर हाँक ले जाना।

**बेंत पुं.** (तद्.) 1. जल के निकट-वर्ती स्थान पर पैदा होने वाला एक प्रकार का वृक्ष अथवा एक प्रसिद्ध लता जिसके ऊपर के डंठल या छिलकों से छड़ियाँ, टोकरियाँ आदि बनाने तथा कुर्सी आदि बुनने का कार्य होता है 2. बेंत के डंठल से निर्मित छड़ी।

**बेंदुली स्त्री.** (तद्.) 1. बेदी, बिंदी 2. माथे पर धारण किया जाने वाला टीका नामक आभूषण।

**बे अव्य.** (फा.) 1. बिना, विना, बगैर 2. छोटों के लिए तिरस्कारपूर्ण संबोधक।

**बेअंत क्रि.वि.** (देश.+तत्.) जिसका कोई अंत न हो, अनंत, बेहद।

**बेअकल वि.** (फा.+अर.) बुद्धि विहीन, मूर्ख।

**बेअदब वि.** (फा.+अर.) जो बड़ों के प्रति आदर-सम्मान पूर्वक व्यवहार न करे।

**बेअसर वि.** (फा.+अर.) 1. निष्फल, बेनतीजा 2. अगुण कर, जो प्रभाव न दिखा पाये, जो तासीर न दिखाये (औषधि आदि)।

**बेआब वि.** (फा.) 1. जिसमें आब-(आभा) चमक न हो 2. शोभा विहीन 3. तुच्छ।

**बेआबरू वि.** (फा.) बेइज्जत।

**बेइंसाफी स्त्री.** (फा.) अन्याय।

**बेइज्जत वि.** (फा.+अर.) 1. जिसकी कोई प्रतिष्ठा न हो, अप्रतिष्ठित 2. अपमानित।

**बेईमान वि.** (फा.+अर.) जो ईमानदार न हो, जो ईमान या धर्म का विचार न करे, बेदीन, अधर्मी, छल-कपट या और किसी प्रकार का अनाचार करने वाला, झूठा, नमकहराम, अविश्वसनीय, बदनीयत।

**बेउज्ज वि.** (फा.+अर.) जो किसी भी काम को करने में कोई उग्र आपत्ति न करता हो या न कर रहा हो।

**बेउसूल वि.** (फा.+अर.) जिसका कोई उसूल/सिद्धांत, नियम न हो, सिद्धांत रहित या नियम रहित।

**बेऐब वि.** (फा.+अर.) दोषरहित, निर्दोष, निर्मल, जिसमें कोई खोट न हो।

**बेऔलाद वि.** (फा.+अर.) जिसके कोई संतान न हो, निःसंतान, अनपत्य।

**बेकदर वि.** (फा.+अर.) बेकद्र, जिसकी कद्र या पूछ न हो, जिसका कुछ महत्व या सम्मान न हो, अनाहत, अपमानित, बेइज्जत, अप्रतिष्ठित, जलील।

**बेकन-प्रणाली स्त्री.** (अं.+तत्.) अंग्रेज दार्शनिक फ्रांसिस बेकन के नाम पर दर्शन शास्त्र की प्रणाली जिस के अनुसार केवल प्रेक्षणों, तुलनात्मक अध्ययनों और प्रयोगों के द्वारा सकारात्मक निष्कर्षों के विश्लेषणों से अंततः सत्य तक पहुँचा जा सकता है।

**बेकरार वि.** (फा.+अर.) व्याकुल, विकल, बेचैन, उद्विग्न।

**बेकरी स्त्री.** (अं.) बिस्कुट, डबलरोटी आदि बनाने का कारखाना अथवा बिक्री-केंद्र। bakery

**बेकल वि.** (देश.) विकल, व्याकुल, बेचैन।

**बेकली स्त्री.** (देश.) 1. घबराहट, बेचैनी, व्याकुलता 2. स्त्रियों का गर्भाशय संबंधी एक रोग।

**बेकस वि.** (फा.) दुःखी, पीड़ित, असहाय, निराश्रय, दीन, विवश, निःसहाय।

**बेकसूर वि.** (फा.) जिसका कोई कसूर या अपराध न हो, निरपराध, निर्दोष।

**बेकहा वि.** (देश.) किसी का कहना या दाब न मानने वाला, उद्धत, स्वच्छंद।

**बेकाबू वि.** (फा.+तुर्की) जो वश में न आ सके, जिस पर किसी का वश न हो, लाचार, विवश, अनियंत्रित, निरंकुश।

**बेकाम वि.** (फा.+देश.) जिस पर कोई काम न हो, निठल्ला, निकम्मा, बेकार, जिससे कोई काम न निकल या हो सके, व्यर्थ, निरूपयोगी, निरर्थक।